



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 85]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 25, 2013/वैशाख 5, 1935

No. 85]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 25, 2013/VAISAKHA 5, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 2013

जांच शुरुआत

(निर्णायक समीक्षा)

विषय— चीनी ताईपेई मूल के अथवा वहां से निर्यातित "पेण्टाइराइथिटाल" के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच की (एस एस आर) शुरुआत।

सं. 15/19/2012-डीजीएडी- वर्ष 1995 तथा उसके पश्चात् यथा संशोधित सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1975 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी भी कहा गया है) ने चीनी ताईपेई (जिसे एतदपश्चात् देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "पेण्टाइराइथिटाल" (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश की थी।

2) यतः, चीनी ताईपेई, कनाडा और जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "पेण्टाइराइथिटाल" के आयातों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा दिनांक 22.11.2001 की अधिसूचना सं. 48/1/2001-डीजीएडी के तहत मूल जांच प्रारंभ की गई थी। प्राधिकारी द्वारा दिनांक 8 अक्टूबर, 2002 की अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं. 48/1/2001-डीजीएडी के तहत की गई सिफारिश के आधार पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इन देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर दिनांक 31.10.2002 की अधिसूचना सं. 119/2002-सीमा शुल्क द्वारा पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया गया था।

3) यतः, केवल चीनी ताईपेई और जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों के बारे में प्राधिकारी द्वारा दिनांक 15 मार्च, 2007 की अधिसूचना सं. 15/7/2006-डीजीएडी के तहत एक निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ की गई थी। प्राधिकारी ने चीनी ताईपेई और जापान से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर दिनांक 5 मार्च, 2008 की अंतिम अधिसूचना सं. 15/7/2006- डीजीएडी तथा दिनांक 25 मार्च, 2008 की संशोधित शुद्धिपत्र अधिसूचना सं. 15/7/2006-डीजीएडी के तहत पाटनरोधी शुल्क का सतत अधिरोपण करने की सिफारिश की थी और चीनी ताईपेई एवं जापान मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 28.4.2008 की अपनी अधिसूचना सं. 55/2008-सीमा-शुल्क के तहत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया था।

4) यतः, प्राधिकारी ने, चीनी टाईपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयात के बारे में दिनांक 22 जून, 2010 की अधिसूचना सं. 15/10/2010-डीजीएडी के तहत मध्यावधि समीक्षा जांच (एम टी आर) प्रारंभ की और चीनी टाईपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर दिनांक 17 जून, 2011 की अधिसूचना सं. 15/10/2010-डीजीएडी के तहत संशोधित पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की थी। प्राधिकारी की सिफारिश के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने चीनी टाईपेई से आयातित सम्बद्ध वस्तु पर दिनांक 12 अगस्त, 2011 की अधिसूचना सं. 74/2011-सीमा शुल्क के तहत संशोधित पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया था।

5) यतः, मैसर्स कानोडिया कैमिकल्स एंड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) अधिनियम एवं नियमावली के अनुसार चीनी टाईपेई और जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के पाटन की संभावित निरन्तरता/पुनरावृत्ति होने और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होने का आरोप लगाते हुए प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत साक्ष्यांकित आवेदनपत्र दायर किया तथा चीनी टाईपेई और जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसकी निरन्तरता एवं उसे बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है। तथापि, इसके पश्चात् आवेदक ने जापान के संबंध में अपना आवेदन पत्र वापस ले लिया।

6) और यतः, प्राधिकारी दायर किए गए विधिवत साक्ष्यांकित आवेदन पत्र के मद्देनजर तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार चीनी टाईपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के बारे में प्रभावी शुल्क का अधिरोपण जारी रखने की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या इस शुल्क को समाप्त करने से पाटन की निरन्तरता बनी रहेगी अथवा उसकी पुनरावृत्ति होगी और उससे घरेलू उद्योग को क्षति होगी, एतद्वारा एक निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ करते हैं।

घरेलू उद्योग एवं आधार

7) निर्णायक समीक्षा जांच के लिए यह आवेदन पत्र घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स कानोडिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आवेदक का सम्बद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है और वह नियमावली के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग बनता है।

विचाराधीन उत्पाद

8) वर्तमान जांच के उद्देश्यों के लिए विचाराधीन उत्पाद चीनी टाईपेई के मूल का अथवा वहां से निर्यातित "पेन्टाइराइथिटल" है। पेन्टाइराइथिटल एक कार्बनिक यौगिक है। वाक्यांश "इराइथिटल" चार हाइड्रॉक्सिल ग्रुप की उपस्थिति इंगित करता है और उपसर्ग "पेन्टा" गित करता है कि इस अनु. (मालिक्यूल) में पांच कार्बन एटम हैं। पेन्टाइराइथिटल का अनुप्रयोग अल्काइड रेजिन, रेजिन ईस्टर्स, प्लास्टीसाइजर्स, मुद्रण स्याही, सिन्थेटिक रबड़, प्लास्टिक के लिए स्टेबिलाइजर्स, आशोधित ड्राइंग आयल, डिटोनेटर्स, विस्फोटकों, फार्मास्युटिकल्स, कोर आयल्स और सिन्थेटिक लुब्रीकेन्ट्स का विनिर्माण करने में होता है। पेन्टाइराइथिटल को सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत सीमाशुल्क उपशीर्षक संख्या 2905.42 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतक है तथा वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तु

9) आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित उत्पाद की भौतिक एवं तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यो तथा उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण तथा विपणन और टैरिफ वर्गीकरणों के रूप में समान वस्तुएं हैं। समान वस्तु के मुद्दे को प्राधिकारी ने मूल जांच तथा उत्तरवर्ती जांचों में पहले ही सुस्पष्ट कर दिया है। सम्बद्ध देशों से आयात किए जा रहे उत्पाद तथा याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन की जा रही वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर, वर्तमान समीक्षा जांच के उद्देश्यों के लिए, आवेदक द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु तथा सम्बद्ध देशों से आयातित सम्बद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में दी गई शर्तों के अनुसार समान वस्तु माना जा सकता है।

सम्बद्ध देश

10) वर्तमान जांच में अंतर्ग्रस्त देश चीनी टाईपेई है।

जांच की अवधि

11) वर्तमान जांच के उद्देश्य के लिए जांच की अवधि (पी ओ आई) 1 जनवरी, 2012 से दिसम्बर, 2012 (12 माह) है। तथापि, क्षति का निर्धारण करने के उद्देश्य के लिए विगत तीन वर्षों अर्थात् अप्रैल, 09-मार्च, 10; अप्रैल 10-मार्च, 11, अप्रैल, 11-मार्च, 12 के आंकड़ों तथा जांच की प्रस्तावित अवधि पर विचार किया गया है।

प्रक्रिया

12) वर्तमान निर्णायक समीक्षा में चाइनीज टाईपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पिछली जांच के अंतिम जांच परिणाम के सभी पहलू शामिल होंगे।

13) इस समीक्षा में नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 तथा 20 तथा उनके अधीन बने नियमों के सभी प्राक्धान आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

सूचना प्रस्तुत करना

14) संबद्ध देशों में ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश की सरकार को भारत स्थित उनके आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के जरिए, भारत में इस उत्पाद से संबंधित ज्ञात आयातकों और उनके प्रयोक्ताओं को निर्धारित स्वरूप और ढंग से संगत जानकारी प्रस्तुत करने और अपने विचारों से अधोलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से संबोधित किया जा रहा है।

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

कमरा नं. 240 उद्योग भवन

नई दिल्ली-110011

15) कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समयवधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित स्वरूप और ढंग से जांच से संगत प्रस्तुतिकरण कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय प्रस्तुतिकरण करने वाले किसी भी पक्षकार को उसका अ-गोपनीय पाठ अन्य पक्षकारों के लिए उपलब्ध कराना अपेक्षित होगा।

समय- सीमा

16) वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई भी सूचना और सुनवाई हेतु किया गया कोई भी अनुरोध लिखित में भेजा जाना चाहिए ताकि यह प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पत्र पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों (चालीस दिनों) से अधिक समय के भीतर पहुंच जाना चाहिए। यदि निर्धारित समयवधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

17) सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलह दी जाती है कि वे प्रस्तुत मामले में अपने हित (हित की प्रवृत्ति सहित) के बारे में सूचित करें और अपनी-अपनी प्रश्नावलियों के प्रत्युत्तर दायर करें तथा पाटनरोधी उपायों को जारी रखने अथवा नहीं जारी रखने की आवश्यकता के बारे में घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां इस जांच के शुरू होने की तारीख से चालीस (40) दिनों के अंदर प्रस्तुत करें।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

18) यदि प्रश्नावली के उत्तर/निवेदन के किसी भाग के बारे में किसी गोपनीयता का दावा किया जाता है तो उसे दो अलग-अलग सेटों में प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित होगा (क) गोपनीय के रूप में चिह्नित (शीर्षक, विषय सूची पृष्ठों की संख्या सहित) (ख) दूसरा भाग अगोपनीय के रूप में चिह्नित (शीर्षक, विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि)। प्रस्तुत की गई प्रत्येक सूचना के प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से "गोपनीय" अथवा "अगोपनीय" चिह्नित होना अनिवार्य है।

19) किसी गोपनीय चिह्न के बिना प्रस्तुत की गई सूचना को अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी के पास अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का अवलोकन करने की अनुमति देने का अधिकार होगा। सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय रूपांतर की दो (2) प्रतियां तथा अगोपनीय रूपांतर की पांच (5) प्रतियां आवश्यक रूप से प्रस्तुत की जानी चाहिए।

20) जिस सूचना के लिए गोपनीयता का दावा किया गया हो; उस सूचना के प्रदाता द्वारा प्रस्तुत सूचना के साथ समुचित कारणों सहित इस आशय का एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है कि ऐसी सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है तथा/अथवा ऐसी सूचना का सांश तैयार करना क्यों संभव नहीं है।

21) अगोपनीय सूचना, गोपनीय सूचना की प्रतिकृति होना अपेक्षित है जिसके साथ गोपनीय सूचना को, उस सूचना के आधार पर जिस पर गोपनीयता का दावा किया गया है, सूचीबद्ध किया जाए या रिक्त छोड़ दिया जाए/संक्षेप में बताया जाए। अगोपनीय सारांश गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के विषय का एक युक्तिसंगत विवरण होना चाहिए जिससे उस विषय को समझा जा सके। फिर भी, विशेष परिस्थितियों में, गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाला पक्षकार यह दर्शा सकता है कि ऐसी सूचना का सार प्रस्तुत करना संभव नहीं है और उसे उसके कारणों का एक ब्यौरा कि इसका संक्षेपण संभव क्यों नहीं है, निर्दिष्ट प्राधिकारी की संतुष्टि हेतु मुहैया कराना चाहिए।

22) प्रस्तुत सूचना की प्रकृति की जांच पर गोपनीयता हेतु निवेदन को प्राधिकारी स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी संतुष्ट हैं कि गोपनीयता हेतु निवेदन आवश्यक नहीं है अथवा सूचना प्रदायक या तो सूचना सार्वजनिक करने को अनिच्छुक है या सामान्यीकृत अथवा संक्षिप्त रूप में इसके प्रकटीकरण को प्राधिकृत नहीं कर रहा है, तो वे इस सूचना की अवहेलना कर सकते हैं।

23) सार्थक अगोपनीय रूपांतर के बिना अथवा गोपनीयता के दावे के संबंध में उचित कारणों का ब्यौरा दिए बिना प्रस्तुत किसी तरह का निवेदन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा रिकार्ड में नहीं लिया जाएगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रदान की गई सूचना से संतुष्ट होने और गोपनीयता की आवश्यकता को स्वीकार कर लेने की स्थिति में तथा इस तरह की सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार द्वारा विशिष्ट रूप से प्राधिकृत किए बिना से किसी भी अन्य पक्षकार के समक्ष प्रकट नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

24) नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

असहयोग

25) यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April, 2013

Initiation

(Sunset Review)

Subject: Initiation of Sunset Review (SSR) investigation of anti-dumping duty imposed on the imports of "Pentaerythritol" originating in or exported from Chinese Taipei.

No. 15/19/2012-DGAD: Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter also referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and

Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred as the Rules), the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) recommended imposition of anti-dumping duty on imports of "Pentaerythritol" (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from Chinese Taipei (hereinafter also referred to as the subject country).

2) WHEREAS, originally an investigation, concerning imports of "Pentaerythritol", originating in or exported from Chinese Taipei, Canada and Japan, was initiated by the Authority vide Notification No. 48/1/2001-DGAD dated 22.11.2001. On the basis of the recommendations made by the Authority vide Final Findings Notification No. 48/1/2001-DGAD dated 8th October, 2002, anti-dumping duty was imposed by the Central Government vide Notification No. 119/2002-Customs dated 31.10.2002 on the imports of the subject goods, originating in or exported from these countries.

3) WHEREAS, a Sunset Review (SSR) investigation was initiated by the Authority, in respect of the imports of the subject goods, originating in or exported from Chinese Taipei and Japan only, vide Notification No. 15/07/2006-DGAD dated 15th March, 2007. The Authority vide its Final Finding Notification No. 15/7/2006-DGAD dated 5th March, 2008, amended vide Corrigendum Notification No. 15/7/2006-DGAD dated 25th March, 2008, recommended continued imposition of the anti-dumping duties on the imports of the subject goods from Chinese Taipei and Japan and the Central Government vide its Notification No. 55/2008-Customs dated 28.04.2008 imposed anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from Chinese Taipei and Japan.

4) WHEREAS, the Authority initiated a mid-term review (MTR) investigation in respect of the imports of the subject goods, originating in or exported from Chinese Taipei, vide notification No. 15/10/2010-DGAD dated 22nd June, 2010 and vide Notification No. 15/10/2010-DGAD dated 17th June, 2011 recommended modified anti-dumping duty imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from Chinese Taipei. On the basis of the recommendations of the Authority, the Central Government vide Notification No. 74 /2011-Customs dated 12th August, 2011 imposed the modified anti-dumping duty on the imports of the subject goods from Chinese Taipei.

5) WHEREAS, M/s Kanoria Chemicals & Industries Limited (hereinafter also referred to as the applicant) filed a duly substantiated application before the Authority in accordance with the Act and the Rules, alleging likelihood of continuation/recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from Chinese Taipei and Japan and consequent injury to the domestic industry and requested for review, continuation and enhancement of the anti-dumping duty, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from Chinese Taipei and Japan. However, subsequently, the applicant withdrew their application in respect of Japan.

6) AND WHEREAS, in view of the duly substantiated application filed and in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority hereby initiates a Sunset review investigation to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods, originating in or exported from Chinese Taipei and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

Domestic Industry & Standing

7) The application for the sunset review has been filed by M/s Kanoria Chemicals & Industries Limited, on behalf of the domestic industry. As per the information available, the applicants account for a major proportion in Indian production of the subject goods and therefore constitute the domestic industry within the meaning of the Rules.

Product under consideration

8) The product under consideration for the purpose of present investigation is "Pentaerythritol", originating in or exported from Chinese Taipei. Pentaerythritol is an organic compound. The term "erythritol" indicates the presence of four hydroxyl groups, and the prefix "penta" indicates that there are five carbon atoms in the molecule. Pentaerythritol finds application in manufacture of Alkyd Resin, Rosin Esters, Plasticizers, Printing Inks, Synthetic Rubber, Stabilizers for Plastics, Modified drying oils, Detonators, Explosives, Pharmaceuticals, Core oils and Synthetic Lubricants. Pentaerythritol is classified under Customs sub heading No. 2905.42 under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation

Like Articles

9) The applicant has claimed that the goods produced by the domestic industry are like articles to the imported product in terms of parameters such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification. The issue of like article has already been established by the Authority in the original investigation as well as the subsequent investigations. There is no difference in the product being imported from subject countries and goods being produced by the petitioner. In view of the above position, for the purpose of the present review investigation, the subject goods produced by the applicant and imported from subject countries may be treated as like articles in terms of Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules.

Subject Country

10) The country involved in the present investigation is Chinese Taipei.

Period of Investigation

11) The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is from **1st January, 2012 to December, 2012 (12 Months)**. However, for the purpose of analyzing injury, the data of previous three years, i.e. Apr' 09-Mar'10, Apr' 10-Mar' 11, Apr' 11-Mar' 12 and the proposed period of investigation has been considered.

Procedure

12) The present sunset review covers all aspects of the final findings of the earlier investigations in respect of the imports of the subject goods, originating in or exported from Chinese Taipei.

13) The provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Rules supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

Submission of Information

14) The known exporters in the subject country, the Government of the subject country through its Economic and Cultural Centre in India, the importers and users in India known to be concerned with the product are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Ministry of Commerce and Industry
Department of Commerce
Room No. 240, Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

15) Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.

Time Limit

16) Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-dumping Rules.

17) All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application regarding the need to continue or otherwise the Anti-dumping measures within 40 days from the date of initiation of this investigation.

Submission of information on confidential basis

18) In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page.

19) Information supplied without any confidential marking shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of the confidential version and five (05) copies of the non-confidential version must be submitted by all the interested parties.

20) For information claimed as confidential; the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.

21) The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out/summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, parties submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summarization; a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.

22) The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

23) Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

Inspection of Public File

24) In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

Non-cooperation

25) In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J.S. DEEPAK, Designated Authority